नामांकन मेला

राम नारायण यादव (स.अ.)
कंपोजिट विद्यालय,
यू0पी0एस0 मिड्ढा शिक्षा
क्षेत्र हनुमानगंज, बलिया

पूर्व की स्थिति– जिस प्रकार फूलों के बिना उपवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ठीक उसी प्रकार विद्यालय की कल्पना बच्चों के बिना नहीं की जा सकती है। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति एवं नामांकन शिक्षकों की सकारात्मक सोच और प्रयास को प्रदर्शित करता है। नामांकन एवं ठहराव के बिना छात्रों के व्यवहार में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है और न ही निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। हमारा विद्यालय कम नामाकंन की संख्या से जूझ रहा था। नामांकन एवं ठहराव बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास किए गये। इसके अंतर्गत सभी कार्यरत शिक्षकों के साथ मिलकर रणनीति तैयार कर चरणवार क्रियान्वयन किया गया।

क्रियान्वयनः–

प्रथम चरण– हैण्ड बिल पोस्टर : विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव की समस्या को शिक्षक द्वारा एक चुनौतिपूर्ण स्थिति मानते हुए सभी शिक्षकों की मदद से विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव को बढ़ाने हेतु रणनीति बनाकर प्रयास किये गये, सर्वप्रथम नामांकन वृद्धि करने के लिए हैंडबिल छपवाए गए। प्रतिदिन प्रातःकाल विद्यालय खुलने से 1 घण्टा पूर्व पाल्यों के घर–घर जाकर शिक्षक द्वारा हैण्डबिल वितरित किए गए। इसी प्रक्रिया में अभिभावक से संपर्क स्थापित हुआ और आत्मीय संबंधों का विकास भी हुआ। शिक्षक द्वारा अभिभावकों को बच्चों का विद्यालय में नाम लिखवाने के लिए प्रेरित किया गया।

द्वितीय चरण– डोर टू डोर विजिट : सरकार द्वारा छात्रों को दी जा रही सुविधाओं से संबंधित बड़े–बड़े पोस्टर छपवाए और गाँव की मुख्य गलियों में चस्पा किए गए। लाउडस्पीकरों की मदद से अभिभावकों को जागरूक किया और उनके पाल्यों को अच्छी एवं बेहतर शिक्षा देने का भरोसा दिया। अभिभावकों से नियमित संपर्क कर उन्हें बच्चों को विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित करते रहे। नामांकन को बढ़ाने के लिए नामांकन मेले का आयोजन किया।

तृतीय चरण– नियमित पी0 टी0 और प्रतिज्ञा जैसी गतिविधियाँ

ठहराव को बढ़ाने के लिए विद्यालय में होने वाली गतिविधियों जैसे– प्रार्थना सभा, नियमित रूप से पी0टी0, प्रतिज्ञा, अखबार वाचन, गीत, आदि को रोचक, उत्साहपूर्ण ढंग से पूर्ण करवाया जाने लगा। बच्चों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूरे माह उपस्थित बच्चों को प्रार्थना सभा में पुरस्कृत किया गया, स्टार बच्चा घोषित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी।

चतुर्थ चरण– क्विज एवं प्रतियोगिताएं : शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिये सभी कक्षाओं का समय सारिणी अनुसार संचालन सुनिश्चित

किया गया। अर्धवार्षिक परीक्षा तथा विभिन्न क्विज एवं प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हर शनिवार बालसभा का अयोजन, बाल संसद का क्रियान्वयन जनपद स्तर पर भ्रमण, प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे–विद्याज्ञान, नवोदय विद्यालय, राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा, श्रेष्ठा परीक्षा आदि की तैयारी कराकर छात्र–छात्राओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया। इसका परिणाम बहुत ही सकारात्मक रहा।

प्रभाव :– इस प्रकार की नवाचारी रणनीति बनाकर नियमित रूप से किए गए प्रयासों का परिणाम सकारात्मक रहा। प्रतिदिन प्रातः 1 घण्टा तथा विद्यालय समय उपरान्त 1 घण्टा अभिभावकों को जागरुक करने से शिक्षक और अभिभावकों के आत्मीय संबंध बने। अभिभावकों के जागरूक होने और शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण परिवर्तित होने से अब बच्चे हँसते हुए विद्यालय आते है और पूरे दिन सक्रिय एवं उत्साहित रहते हैं। उनमें स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का भी विकास हो रहा है। विद्यालय में नामांकन बढ़ा और ठहराव की समस्या भी दूर हो गयी।

वार्षिक नामाकंन में वृद्धि :

वर्ष	नामांकन
2018–19	75
2019–20	188
2020–21	315
2021–22	636
2022–23	385
2023–24	416

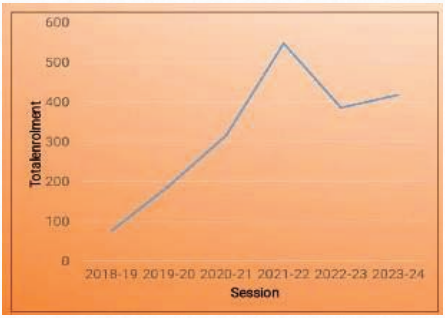

प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उपलब्धि :

क्र.सं.	छात्रवृत्तियाँ	लाभान्वित छात्र	वर्ष	लाभान्वित छात्रों संख्या
01	राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा	रोहित, तृतीय स्थान	2021–2022	01
02	राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा	यश कुमार, आशीष, मोहित	2022–2023	03
03	श्रेष्ठा परीक्षा	यश कुमार, All India Rank 406	2022–2023	01
04	राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा	अंजलि– 9वॉ स्थान लक्ष्मी सोनी 35वॉ स्थान	2023–2024	02